[Shri Sitaram Kesri] Minister of State and do proceed to elect in such manner as the Chairman may direct, one member from among the members of the House to serve on the said Committee.

The question was put and the motion was adopted.

MR.CHAIRMAN.- Special mentions.

REFERENCE To THE NEED TO PERMIT STUDENTS UNDER ADULT EDUCATION PROGRAM. ME TO APPEAR FOR THE TENTH CLASS EAMINATIONS

कुमारी सईदा खातून (मध्य प्रदेश) : परम आदरणीय सभापति महोदय, स्पेशल मेंशन के मांध्यम से बीस सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत चलाई जाने वाली प्रौढ़ शिक्षा से पुरानी शिक्षा नीति में छात्र एवं छात्राओं को जो सुविधाएं दी गयी थीं और नयी शिक्षा नीति में क्या सुविधाएं दी जा रही है और दी जानी चाहिएं जिससे देश के हजारों छात्र एवं छात्राओं का भविष्य ही नहीं बल्कि देश का वर्तमान भी संवरेगा इस पर में रोशनी डालना चाहूंगी ।

मान्यवर, हम शिक्षा के माध्यम से, स्कूली शिक्षा के माध्यम से अपने देश के भावी नागरिकों का निर्माण करते हैं लेकिन प्रौढ़ शिक्षा नीति के अन्तर्गत इसके जरिये हम देश के वर्तमान नागरिकों के जीवन को संवारते हैं । प्रौढ़ शिक्षा नीति का अर्थ सिर्फ निरक्षर को साक्षर बनाना ही नहीं है बल्कि पुरानी शिक्षा नीति में हम प्राइमरी उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राओं को जिनकी आयु 25 और 28 वर्ष की हो जाती है उनको डाइरेक्ट हायर सेकेण्डरी परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति देते थे । अब पुरानी शिक्षा नीति जो खास तौर से मध्य प्रदेश में अब केवल दो वर्षों के लिए ही लागू रखी गई है, उसमें केवल अनुत्तीर्ण छात्र एवं छात्राओं को ही स्वाध्यायी रूप से सम्मिलित होने दिया जाएगा ।

मेरा शासन से अनुरोध है कि उसमें दो वर्षों के लिए और भी प्रौढ़ छात्र एवं छात्राओं को हायर सैकण्ड्री में सम्मिलित होने की पात्रता दी जाए ताकि प्रौढ़ शिक्षा से जो केवल स्वाध्यायी ही परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की जाती है और पुरानी शिक्षा नीति में केवल पांच विषयों में ही परीक्षा ली जाती हैं, प्रौढ़ शिक्षा दो वर्षों के लिए और पुरानी शिक्षा नीति में लागू की जाए जिससे प्रौढ़ शिक्षा के अन्तर्गत बैठने वाले छात्र एवं छात्राएं जिनका बेस प्राइमरी ही लिया गया हैं और जिनको अंग्रेजी, गणित, साइंस की मालूमात नहीं होती, कम से हायर सैकेण्ड्री तो उत्तीर्ण करके अपना जीवन संवार सकते हैं । शिक्षा की कमी से जिन छात्राओं की शादी ब्याह में बाधायें आती है, उनका जीवन कम से कम मैट्रिक पास करने पर संवर जायेगा और छात्र अपने और अपने परिवार का सहारा बन जायेगा । इसलिए दो वर्षों तक प्रौढ़ शिक्षा की पुरानी शिक्षा नीति में मध्य प्रदेश में लागू किया जाना चाहिए । इससे हमारा शासन हजारों छात्र एवं छात्राओं की जिंदगी सुधार सकता है ।

कोई इंसान किसी इंसान को क्या देता है ? आदमी एक सहारा है, खुदा देता है । प्रौढ़ शिक्षा की नीति से हजारों छात्र एवं छात्राओं का जीवन संवारने में हम सक्षम हो सकते हैं ।

नयी शिक्षा नीति में मध्य प्रदेश में केवल छात्राओं को ही प्रौढ़ शिक्षा के अन्तर्गत बैठने की सहूलीयत दसवीं बोर्ड में दी गई है । मेरा शासन से अनुरोध है कि छात्रों को भी 25 वर्ष की उम्र ही नहीं, जो कि पुरानी शिक्षा नीति में पच्चीस वर्ष उम्र का लिमिटेशन रखा गया था, (समय की घंटी) बल्कि अब में चाहती हूं कि जब वोट देने के लिए इक्कीस वर्ष की आयु प्राप्त करने पर वोट देने की परमिशन उनको मिलती है, तब वोट देने की परमिशन के अनुसार ही इक्कीस वर्ष की आयु से उनको प्रौढ़ शिक्षा के अन्तर्गत दसवीं बोर्ड में बैठने की अनुमति प्रदान की जानी चाहिए ।

इस तरह एक शेर में कहूंगी —

"इल्मो अदब से दामन भर जाएं...

MR. CHAIRMAN; AH right, let us hear the couplet now.

SHRI K. VASUDEVA PANICKER (Orissa)- It is her maiden mention, Sir.

कु० सईदा खातून :

"बन्दे हैं तेरे कर दे इतना करम खुदारा,
इल्मों अदब से दामन भर जाए अब हमारा
पाबन्दे उम्र देखो, ये इल्म तो नहीं है
जिस उम्र में हो सीखो, हम सब का यह यकीं है
दरियाये इल्म का तो मिलता नहीं किनारा
बन्दे हैं तेरे कर दे इतना करम खुदारा।"

बस इतना कहते हुए मैं आपको धन्यवाद देती हूं और समाप्त करती हूं।

REFERENCE TO THE REPARTED PROPOSAL TO EXPAND MATHURA REFINERY ENDAN-GERING TAJ MAHAL

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN (Tamil Nadu); Sir, I would like to draw the attention of the House to the item reported in the 'Indian Express, of Fridey, tbe 8th August regarding the reported expansion of the Mathura refinery. It has been repeatedly pointed out in this House and elsewhere that the emissions and the pollutants that are being emitted by the Mathura refinery pose not only a serious health hazard to the people who live around but also to our national heritage, the Taj Mahal.

[Mr. Deputy Chairman in the Chair]

Sir, it is well known that the sulphur dioxide that is emitted by the Mathura refinery reacts with atmosphere to create sulphuric acid and sulphuric acid reacts on marble to dreate calcium sulphate caus|in,g) yellow stains in the marble. On 18-10-1985, in an interview to the Patriot, an official of the Central Pollution Control Board admitted that the yellow stains in the marble in the Taj were caused by sulphur dioxide in the atmosphere. On 7-4-1986 the 'Indian Express' reported that the National Laboratory for Conservation in Lucknow was conducting a survey to consider the yellow stains in the marble caused by the emissions from the Mathura refinery. We don't know yet as to what happened to the report. Again, the 'Indian Express' report dated 8th August says that under expansion the production of six million metric tonnes would now become 7.5 million metric tonnes per annum but the amount of sulphur dioxide would be strictly controlled. I say that even if the emission is strictly controlled, it stands to reason that over a period of time, over constant exposure, the yellow stains in the marble will definitely increase. Therefore, *my* suggestion to the Government would be to seriously consider the chances of moving the Mathura refinery to a spot down blow the Taj because, if they could ■remove the TV tower so that it would not snoil the look of the Taj, it would not be impossible to remove the refinory which is causing hazard to the marble itself. My second suggestion to the Government would be this. I am told authoritatively that $sulphu_r$ i_s emitted only by the imported crude which is used in the Mathura Refinery. The Bombay High c-ude which accounts for 50 per cent, does not have any sulpher. Therefore, if the refine'ry cannot be shifted. I suggest that the Government should at least consider using 100 per cent Bombay High crude so that sulphur dioxide is not emitted.

REFERENCE TO THE PUBLICATION OF MALAYALAM VERSION OF A BOOKLET ENTITLED "ROLE OF A TEACHER IN THE DEVELOP-JT OTP \ CHIL^*" TOTN^LY BY UNICEF AND NCERT CONTAINING MIS-LEADING INFORMATION

SHRI T K. C. VADUTHALA (Kerala); Mr. Deputy Chairman, Sir, I am thankful for the opportunity -